तृतीय भाषा के रूप में संस्कृत

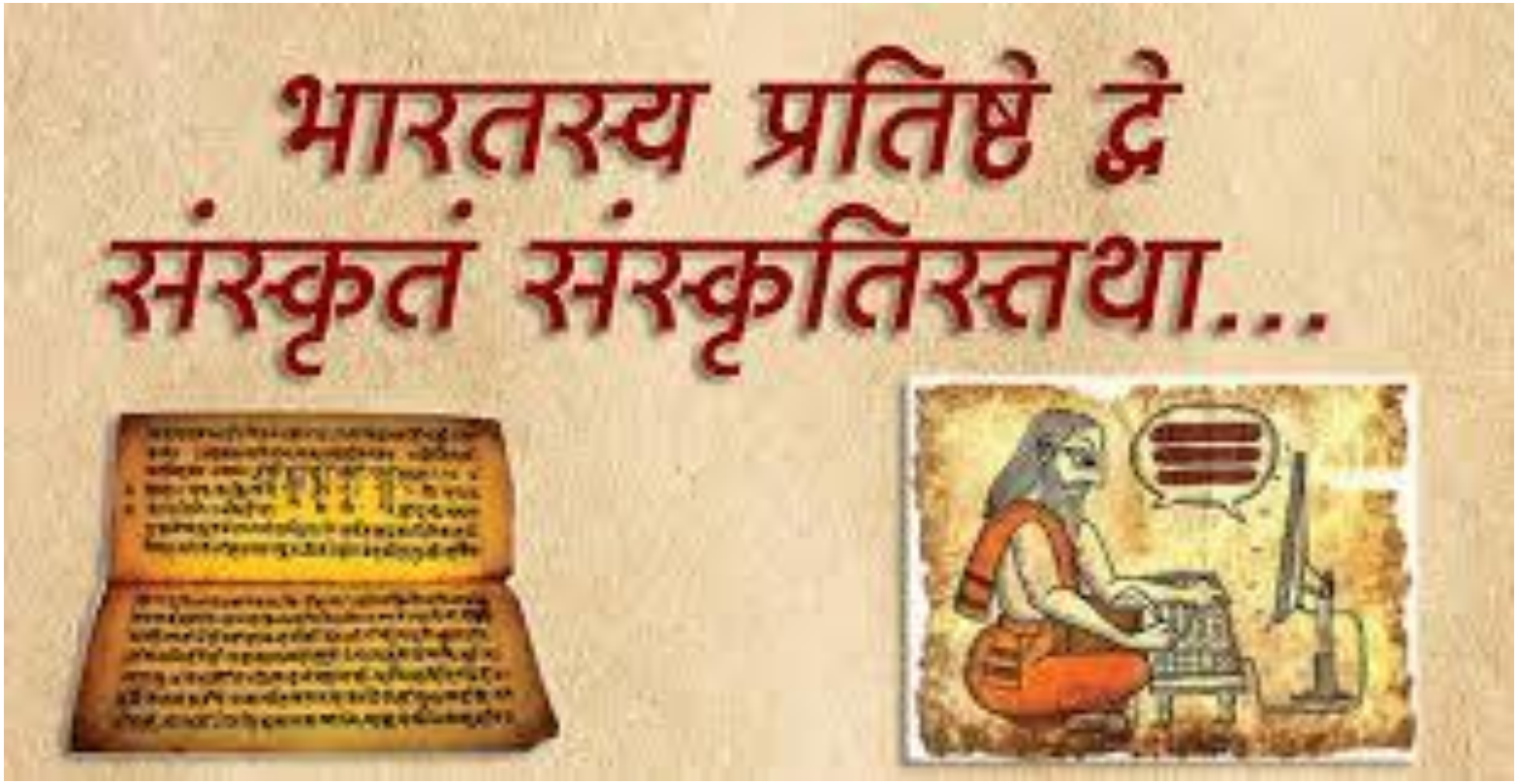

संस्कृत भाषा क्यों सीखें---

*उददेश्य - हम जिस देश में निवास कर रहे हैं उस देश का नाम है "**भारत** " लेकिन क्या आप जानते हैं ये किस भाषा का है?*

- जी हां ये संस्कृत भाषा का शब्द है(भा=ज्ञान,प्रकाश रत= में रत)
- नई पीढ़ी को सुसंस्कारों से ओत-प्रोत करने में सक्षम।
- नई शिक्षा नीति(NEP) के अंतर्गत स्कूल के सभी स्तरों और उच्च शिक्षा में भी संस्कृत एक महत्वपूर्ण विषय होगा। प्रारंभिक कक्षाओं से
- नासा के वैज्ञानिकों ने शोध में पाया कि संस्कृत भाषा का प्रयोग करके कंप्यूटर प्रोग्रामिंग को सरल बनाया जा सकता है 6th और 7th generation super computers संस्कृत भाषा पर आधारित होंगे।

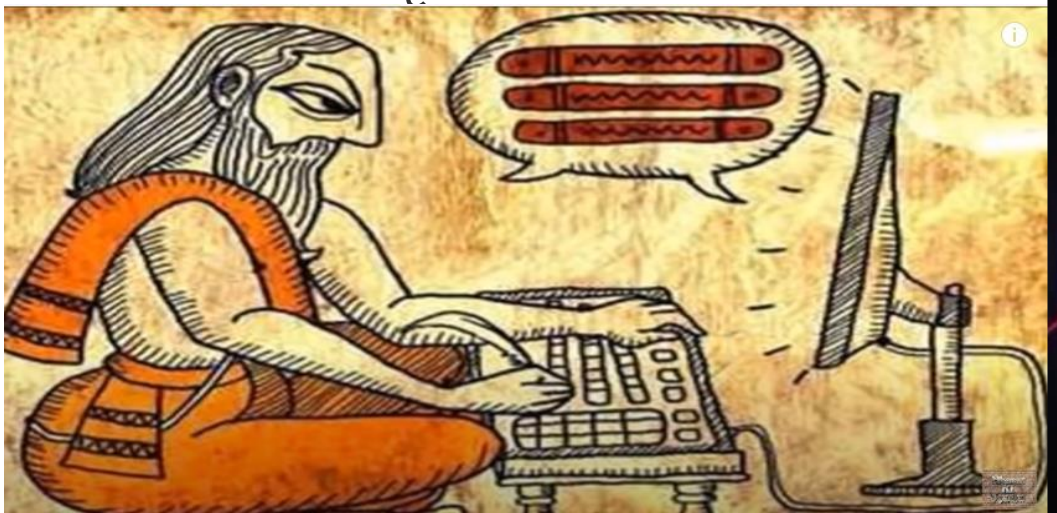

रिज वैली विद्यालय -संस्कृत भाषा

शिक्षण अधिगम व युक्तियाँ

- हम रिज वैली विद्यालय के शिक्षक कक्षा चौथी में संस्कृत भाषा को वर्णमाला से शुरू करके प्रत्येक वर्ण से बनने वाले छोटे -बड़े शब्दों को चित्र, प्रश्नोत्तरी और अनेक गतिविधियों से सिखाते हैं।
- कक्षा पाँचवीं से धातु रूप,कक्षा छठी में विभक्ति व शब्द रूप का ज्ञान दिया जाता है । हर वर्ष विद्यार्थी संस्कृत में छोटे –छोटे वाक्य बनाकर वार्तालाप करने में सक्षम ही जाते हैं ।
- पठन ,लेखन ,श्रवण और वाचन पर विशेष ध्यान दे रहें ।

पाठ्यचच

वर्तमान जीवन में भी प्रासंगिक

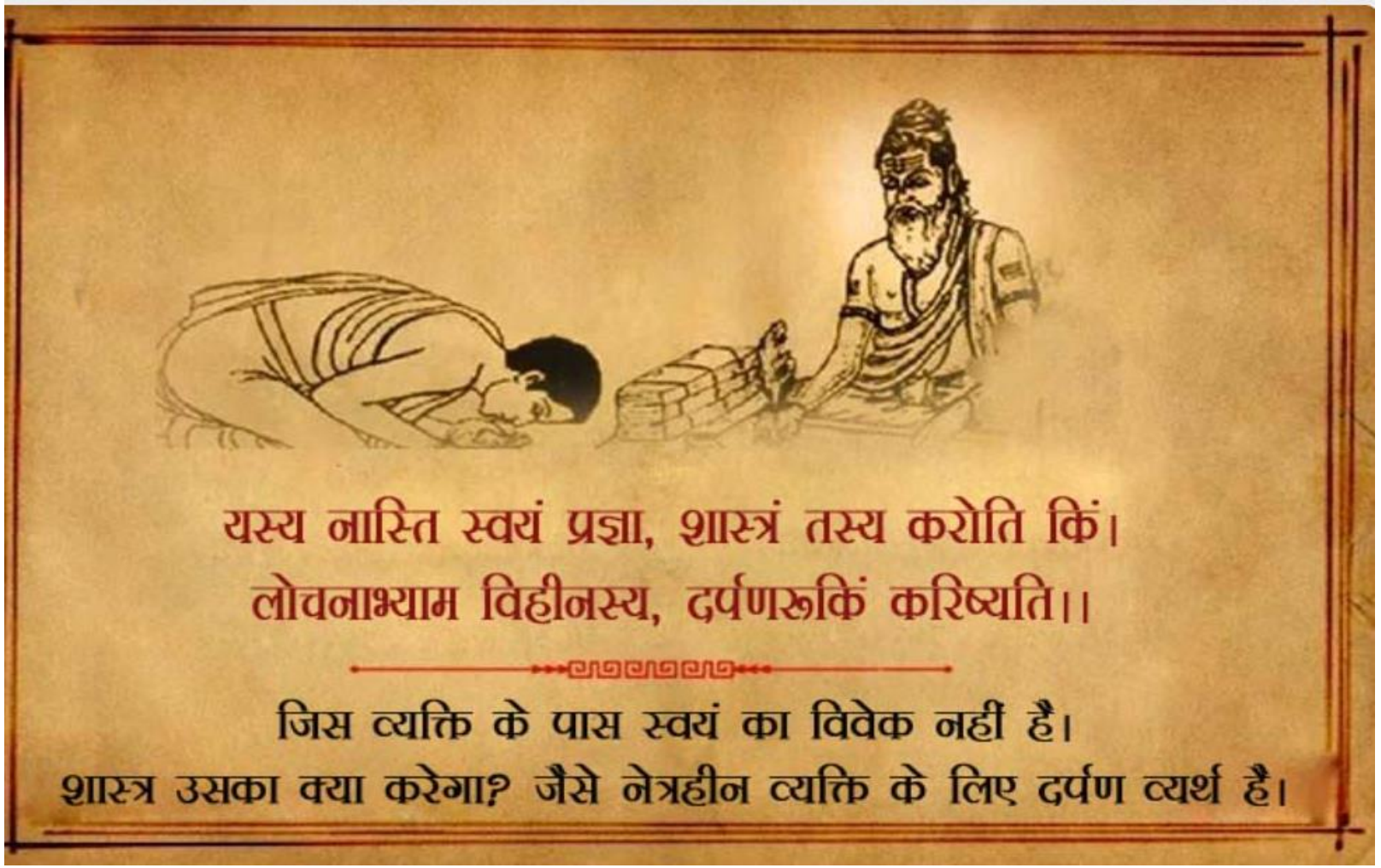

मंत्रोच्चारण

महत्त्वपूर्ण तथ्य

१. हरियाणा, उत्तराखंड जैसे राज्यों में डॉक्टर बनने के लिए हिंदी/ संस्कृत विषय दसवीं तक अनिवार्य हैं।

२. शब्दकोश में वृद्धि -संस्कृत भाषा में विश्व की सभी भाषाओं की तुलना में सर्वाधिक शब्दकोश है. संस्कृत में लगभग 102 अरब 78 करोड़ 50 लाख शब्द है जो सभी भाषाओं से सर्वाधिक हैं। संस्कृत भाषा में पर्यायवाचीयों की भरमार है संस्कृत भाषा के एक शब्द के 100 से ज्यादा पर्यायवाची हैं जिनमें हाथी, घोड़ा आदि अनेकों शब्द शामिल हैं।

३. वर्तमान में जर्मनी के लोगों में संस्कृत सिखने को लेकर क्रेज बढ़ा है जर्मनी में लगभग **14 विश्वविद्यालयों** में संस्कृत सिखाई जा रही है.

४.कर्नाटक के मट्टुर(Mattur) गाँव में आज भी लोग संस्कृत में ही बोलते हैं।

५. संस्कृत उत्तराखंड की आधिकारिक राज्य(official state) भाषा है।

भाषा का कार्यक्षेत्र

- संस्कृत बालसाहित्य परिषद्

- संस्कृत को अगर सही तरह से आगे बढ़ाना है तो इसे बच्चों के पास पहुचाना आवश्यक है। प्रारम्भिक स्तर से ही बच्चे अगर संस्कृत पढ़ें तो बच्चों के आन्तर-विकास के साथ साथ संस्कृत का भी विकास होता जायेगा।(देखें — http://devabhasha.in/)
- संस्कृत में बाल-साहित्य का नितान्त अभाव है। जो भी थोड़ा बहुत है वह बहुत ही कम है जो वास्तव में बाल साहित्य के रूप में स्वीकार किया जा सके। बच्चों के लिये सर्जनात्मक शिक्षण सामग्री बनाना। इस में बच्चों के लिये animation movie, inspiring short films और अनेक प्रकार की शिक्षण सामग्री का निर्माण हो रहा है जिसके द्वारा संस्कृत को एक अभिनव रीति से तथा modern technology के प्रयोग से बच्चों के पास पहुचाना है। (देखें - http://samskritabalasahityaparishad.org/)

संस्कृत बालसाहित्य परिषद्

- संस्कृत का प्रचार और प्रसार के लिये विश्व का सबसे पहला २४/७ संस्कृत रेडियो “दिव्यवाणी” का प्रारम्भ हमने किया है जिसके माध्यम से चौबीस घण्टे संस्कृत में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित होते रहते हैं। इसका संचालन पिछले ७ वर्ष से हम अकेले ही कर रहे हैं और आज देश-विदेश के लाखों लोग इस रेडियो के माध्यम से संस्कृत में विभिन्न प्रकार का कार्यक्रम सुन पाते हैं। इस रेडियो को अपने स्मार्ट फोन में Tune in Radio नामक Apps के माध्यमसे सुना जा सकता है अथवा google search में divyavani Sanskrit radio लिख कर अपने browser से सुना जा सकता है। (सुनिए यहाँ — http://radio.garden/listen/divyavani/lX2VE9qX)